ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-11-2020

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2020-11-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2020-11-14	2020-11-15	2020-11-16	2020-11-17	2020-11-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	4.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	17.0	16.0	14.0	13.0	14.0
न्यूनतम तापमान(से.)	6.0	5.0	4.0	5.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	55	55	50
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	50	60	55	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	8.0	8.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	120	120	330
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	4	3	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी 15 व 16 नवम्बर को हल्की वर्षा की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमशः 13.0 से 17.0 व 4.0 से 6.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 4-6 किमी/घंटे की गति से मुख्यतः उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है।

सामान्य सलाहकार:

15 व 16 नवम्बर को बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए किसान भाई फसलों मे सिंचाई व कीटनाशी का प्रयोग फिलहाल न करें। कोविड 19 को फैलने से रोकने हेतु, कृषि कार्य के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करें।

लघु संदेश सलाहकार:

15 व 16 नवम्बर को हल्की वर्षा की सम्भावना को ध्यान मे रखते हुए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि वह कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखने की व्यवस्था करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्षा को ध्यान मे रखते हुए गेहूँ की फसल की बुवाई करें।
मूली	बीज उत्पादन हेतु मूली की जड़ो का चुनाव कर, वर्षा को ध्यान मे रखते हुए नये खेतो में प्रतिरोपण करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसान भाई वर्षा को ध्यान मे रखते हुए, सिंचाई को स्थगित करें व घाटी क्षेत्रों में आलू फसलों मे मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।
मिर्च	मिर्च में उपरी पत्तियॉ सिकुड़ने या चित्तकबरी होने की स्थिति में संक्रमित पौधो कों निकालकर नष्ट कर दे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओ का ठंड से बचाने हेतु उचित व्यवस्था करें। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15 सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।